चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	19-12-24	6	1-4

दैनिक भास्कर

एहतियात • बौनी किस्मों में 30-35 दिन व देसी में 40-45 दिन बाद छिड़काव जरूरी

गेहूं पर हो सकता है मालवा, जंगली पालक व हिरणखुरी का प्रकोप, समय से पहले बचाव करें

भास्कर न्यूज | हिसार

गेहूं की फसल में मालवा, जंगली पालक, हिरणखुरी व अन्य चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों का प्रकोप हो सकता है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि खरपतवारों को पहली और दूसरी सिंचाई के बाद एक या दो बार निराई-गुड़ाई करके खेत से निकाल दें। फसल की शुरू की बढ़वार में लगभग 30 दिन के अंदर एक बार निराई-गुड़ाई करें। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2, 4-डी का प्रयोग करें। इसके लिए 250 ग्राम 2, 4-डी सोडियम साल्ट 80% या 300 मिली 2, 4-डी एस्टर 34.6 प्रतिशत या एलग्रीप 8 ग्राम 250 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ में छिड़काव करें।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि खरपतवारों के नियंत्रण के लिए कारफेन्ट्राजोन ईथाईल (एफीनिटी) 40% डीएफ की 20 ग्राम प्रति एकड़ या सभी प्रकार के चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए लेनफिडा 50% डीएफ मैटसल्फ्यूरॉन 10% कारफेन्ट्राजोन 40% मिश्रण की 20 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ 0.2% सहायक पदार्थ के हिसाब से 200-250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। यह छिड़काव बौनी किस्मों में बिजाई के लगभग 30-35 दिन बाद व देसी किस्मों में 40-45 दिन बाद पौधों में 3-6 पत्तियां बन जाएं तब करना चाहिए।

फसल की बढ़वार के लिए महीने में एक बार निराई-गुड़ाई करें

गेहूं की फसल।

कनकी व जंगली जई की रोकथाम को 35 दिन बाद छिड़काव करें

आईसोप्रोटूरान 50 प्रतिशत टोलकान, टारस, ग्रेमिनान, नोसीलोन, रक्षक, हैक्सामार, इफ्को, आईसोप्रोटूरान, एग्रीलान, मिलरोन गेहूं की बिजाई के 30-35 दिन बाद 800 ग्राम दवा का प्रति एकड़ के हिसाब से 250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

गेहूं की बिजाई के 40 दिन में खरपतवारनाशी का प्रयोग करें

खरपतवारनाशी का प्रयोग बिजाई के 40 दिन में हर हाल में कर लें। 40-45 दिन के बाद प्रयोग करने से बालियां टेढ़ी मेढी निकलेंगी या बालियों में से बालियां निकलनी शुरू हो जाएगी, 80 से 85 दिन पर स्प्रे करने से बालियों में दाने ही नहीं पड़ेंगे बालियां बांझ रह जाएगी।

जंगली मटर पर नियंत्रण को यह करें : जंगली मटर, रस्सा/कंडाई व हिरणखुरी के नियंत्रण के लिए 500 ग्राम प्रति एकड़ 2,4-डी सोडियम साल्ट 80% या 300 मिली प्रति एकड़ 2,4-डी एस्टर 34.6% का प्रयोग करें। इनको 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	19.12.24	6	6-8

दैनिक भास्कर
हिसार, गुरुवार 19 दिसंबर, 2024 dainikbhaskar.com

दिसंबर में करें जौ की पछेती बिजाई, 18 से 20 सेमी दूरी में ड्रिल विधि से बीजें, एक एकड़ में 45 किलो बीज पर्याप्त

सुपर फास्फेट को पोरा विधि से डालें, 40-45 दिन बाद कीटनाशक छिड़कें

यशपाल सिंह | हिसार

जौ की पछेती बिजाई दिसंबर में की जा सकती है। पछेती फसल में माल्ट की पैदावार व गुणवता कम हो जाती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि एक एकड़ के लिए 45 किग्रा बीज लेकर कतारों में 18 से 20 सेंमी की दूरी पर ड्रिल विधि से बोना चाहिए।

बिजाई के समय 26 किग्रा यूरिया, 75 किग्रा सुपर फास्फेट व 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश डालें। सुपर फास्फेट को पोरा करें, बिखेरें नहीं। पहला पानी लगाते समय नाइट्रोजन की आधी मात्रा 26 किग्रा यूरिया डालें। जौ की पत्तियों पर जस्ता की कमी के लक्षण दिखाई दें तो अधिक पैदावार लेने के लिए जस्ता-यूरिया के घोल का छिड़काव करें।

वैज्ञानिक डॉ. योगेन्द्र गुलिया ने बताया कि घास जाति के खरपतवारों जैसे कनकी, जंगली जई व लोमड़ घास की नियंत्रण के लिए एक्सियल 5 ईसी (पिनोक्साडेन) 400 मिली प्रति एकड़ को 200 लीटर में घोलकर बिजाई के 40-45 दिन बाद छिड़कें। मिश्रित खरपतवारों (संकरी व चौड़ी पत्ती वाले) के नियंत्रण के लिए एक्सियल 5 ईसी 400 मिली के साथ अलग्रीप 20% दाने 8 ग्राम+ 200 मिली चिपचिपा पदार्थ या 2, 4-डी अमाइन 58 एसएल 500 मिली या एफीनिटी 40 डीएफ 20 ग्राम प्रति एकड़ को 200 लीटर पानी में मिलाकर बिजाई के 40-45 दिन बाद छिड़काव करें।

दीमक से बचाव के लिए करें बीज का उपचार

डॉ. राजबीर गर्ग के अनुसार बिजाई से पहले वीटावैक्स या बाविस्टिन 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज से सूखा उपचार करें। दीमक से बचाव को 100 किग्रा बीज बिजाई से एक दिन पहले 600 मिली. क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी से उपचारित करना चाहिए। पहली सिंचाई के बाद एक या दो बार फसल की नलाई करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	19.12.24	3	3-4

एचएयू के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में एक माह का इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स शुरू

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में एक माह का इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में एचएयू, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर कौल व बावल में नवनियुक्त वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के मिशन, विजन और लक्ष्य से परिचित कराना है, ताकि वे संस्थान के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके अपने कर्तव्यों का उचित ढंग से निर्वहन कर सकें। प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों को प्रभावी ढंग से कार्य करने के बारे में जागरूक करने के साथ ज्ञान और कौशल प्रदान करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	19.12.24	3	1-3

हकृवि में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स का शुभारंभ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में एक माह का इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डा. राजबीर गर्ग ने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के मिशन, विजन और लक्ष्य से परिचित कराना है ताकि वे संस्थान के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके अपने कर्तव्यों का उचित ढंग से निर्वहन कर सकें। प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों को प्रभावी ढंग से कार्य करने के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। प्रशिक्षण के दौरान नए कर्मचारियों को उनकी सेवा और पद के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

हकृवि.के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में मुख्य अतिथि डा. राजबीर गर्ग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए • पीआरओ

शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता, अनुभव और जिज्ञासा पर निर्भर करती है। किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। नवनियुक्त शिक्षकों के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एक बड़ा प्लेटफार्म है जहां आयोजित होने वाली ट्रेनिंग कोर्स में हर प्रतिभागी को आत्मविश्वास, एकाग्रता, कड़ी मेहनत व लीडरशिप के गुण पैदा करने चाहिए जिससे वे सर्वांगीण विकास के साथ अपनी जिंदगी में आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि वे ईमानदारी व पूरी निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	19.12.24	3	7-8

एचएयू में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स शुरू

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में एक माह का इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में एचएयू, कॉलेज आफ एग्रीकल्चर कौल व बावल में नव नियुक्त वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि डॉ राजबीर गर्ग ने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के मिशन, विजन और लक्ष्य से परिचित कराना है, ताकि वे संस्थान के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके अपने कर्तव्यों का उचित ढंग से निर्वहन कर सकें। ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर डॉ. रेणू मुंजाल बताया कि नवनियुक्त प्रशिक्षणार्थियों को एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	19.12.24	4	1-2

हकृवि के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स का शुभारंभ

मुख्य अतिथि डॉ. राजबीर गर्ग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

हिसार, 18 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में एक माह का इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में हकृवि, कॉलेज आफ एग्रीकल्चर कौल व बावल में नव नियुक्त वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. राजबीर गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के मिशन, विजन और लक्ष्य से परिचित कराना है ताकि वे संस्थान के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके अपने कर्तव्यों का उचित ढंग से निर्वहन कर सकें। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. रमेश यादव ने सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर डॉ रेणू मुंजाल बताया कि नवनियुक्त प्रशिक्षणार्थियों को एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दै॰ भूमि	19.12.24	12	7-8

हकृविवि में इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स का शुभारंभ

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. राजबीर गर्ग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

- प्रशिक्षणार्थियों को विवि के मिशन, विजन और लक्ष्य से परिचित कराना ही प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य : डॉ. राजबीर गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में एक माह का इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। प्रशिक्षण में एचएयू ,कॉलेज आफ एग्रीकल्चर कौल व बावल में नव नियुक्त वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. राजबीर गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के मिशन, विजन और लक्ष्य से परिचित कराना है ताकि वे संस्थान के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके अपने कर्तव्यों का उचित ढंग से निर्वहन कर सकें। प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों को प्रभावी ढंग से कार्य करने के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। प्रशिक्षण के दौरान नए कर्मचारियों को उनकी सेवा और पद के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। शिक्षण संस्थानों की प्रतिष्ठा फैकल्टी की योग्यता, अनुभव और जिज्ञासा पर निर्भर करती है। किसी भी शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने में फैकल्टी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. रमेश यादव ने सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर डॉ. रेणू मुंजाल बताया कि नवनियुक्त प्रशिक्षणार्थियों को एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे प्रशिक्षण लेने के उपरांत अपना कार्य बेहतर ढंग से कर सकें। डॉ. अनुराग ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया व मंच संचालन डॉ. योगेश जिंदल ने किया।